संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -274 रविवार,04 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का पैंतीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर पोस्टिंग सेटिंग से हो रही है?

» क्या पैसे दो और प्रभार लो... की नीति चल रही स्वास्थ्य विभाग में...जिसे समर्थन दे रहे हैं स्वास्थ्य मंत्री...?

» 17 डॉक्टरों समेत सीएमएचओ व सिविल सर्जन बदले गए... जिसकी सूची पर उठ रहे कई सवाल...सूची देखकर सेटिंग की आ रही गंध...

» नियमित नियुक्ति की बजाय...मेडिकल अफसर को सीएमएचओ का प्रभार...

» सीनियरों को दरकिनार कर...जूनियरों को मिल रहा प्रभार...सेटिंग नहीं तो क्या है...?

-फाईल फोटो-

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर, 03 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में जो कुछ चल रहा है वह किसी से छुपा नहीं है उनके हर एक बात पर वहीं स्वास्थ्य विभाग की सुविधाओं को लेकर लोगों का विश्वास खत्म हो चुका है। स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में ऐसा लग रहा है कि सब कुछ सेटिंग व पैसे पर ही आधारित है। जिसकी जितनी तगड़ी सेटिंग उतना अच्छा जगह तय माना जा रहा है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं यह बात पूरा प्रदेश कह रहा है। पर शायद स्वास्थ्य मंत्री के कान तक यह बात नहीं पहुंच रही है क्योंकि उनके कान तक पहुंचाने वाले उनके सलाहकार ही उनकी लुटिया डूबने का काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के आंखों के सामने लोगों के लिए काम करने की इच्छा खत्म हो चुकी है। वैसे प्रशासनिक अधिकारियों व दलालों से घिर गए हैं हर जगह दलाली प्रथा चल रही है। अभी हाल ही में आए डॉक्टरों की तबादला सूची पर बहुत बड़ा सवालिया निशान लग गया है । वह इसलिए लगा हुआ है...क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री ने सूची में गंभीरता नहीं दिखाई... सिर्फ सेटिंग वालों को ही मौका दिया...जो नियमित पद है उन्हें नहीं भरा गया... मेडिकल ऑफीसरों को ही प्रभार देकर लूट की छूट उन्हें दे दी गई...और स्वास्थ्य विभाग की फजीहत कराने के लिए छोड़ दिया गया। ज्ञात हो की शासन ने सोमवार को 17 मेडिकल अफसर समेत सीएमएचओ व सिविल सर्जन का तबादला किया है। शासन के आदेश में मेडिकल अफसरों को भी प्रभारी सीएमएचओ का प्रभार दिया गया है। एक एमबीबीएस डॉक्टर के अंडर एमडी-एमएस डिग्रीधारी डॉक्टर काम करेंगे। हालांकि नियम में सीएमएचओ के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर होना जरूरी नहीं है, लेकिन जानकारों के अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टर को ही सीएमएचओ का प्रभार दिया जाना चाहिए। एक सीएचसी का मेडिकल अफसर जब जिले को संभालता है, तब उनके अंडर कई विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं। यही नहीं, सिविल सर्जन वही डॉक्टर बन सकता है, जिनके पास एमडी या एमएस की डिग्री हो। यानी विशेषज्ञ डॉक्टर हो। सारंगढ़ के मेडिकल अफसर डॉ. एफआर निराला को वहीं सीएमएचओ का प्रभार दिया गया है। ऐसे ही जिला अस्पताल बलौदाबाजार में पदस्थ मेडिकल अफसर अब उसी जिले में सीएमएचओ का काम देखेंगे। सवाल उठता है कि क्या जिला अस्पताल में कोई विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है, जिन्हें सीएमएचओ बनाया जाए। बीएमओ डॉ. विजय खोग्रागडे मोहला-मानपर डॉ. यशवंत ध्रुव प्रभारी सिविल सर्जन बीजापुर को बेमेतरा का सीएमएचओ का प्रभार दिया गया है। इसी तरह मेडिकल अफसर बीजापुर डॉ. अजय रामटेके को दंतेवाड़ा सीएमएचओ, डॉ. रामेश्वर शर्मा को पेंड्रा मरवाही, डॉ. कपिल देव पैकरा को सूरजपुर, डॉ. रत्ना ठाकुर को बीजापुर में सीएमओ पदस्थ किया गया है। डॉ. आयुष जायसवाल बैकुंठपुर के सिविल सर्जन, डॉ. अवधेश पाणिग्रही सक्ती के सीएमओ बनाया गया है। वहीं डॉ. आरके चतुर्वेदी बस्तर के प्रभारी सीएमओ को जिला अस्पताल में मेडिकल अफसर पद पर डिमोट कर दिया गया है। डॉ. आई नागेश्वर राव, पेंड्रा मरवाही के सीएमओ को जिला अस्पताल में मेडिकल अफसर पदस्थ किया गया है। उन्हें भी पदावनत कर दिया गया है। डॉ. आरएस सिंह सूरजपुर के प्रभारी सीएमओ को शिशु रोग विशेषज्ञ पदस्थ किया गया है। मेडिसिन विशेषज्ञ व बलौदाबाजार के प्रभारी सीएमओ को वहीं जिला अस्पताल में पदस्थ किया गया है। डॉ. शेषराम मंडावी अब मोहला मानपुर के सीएमओ के बजाय जिला अस्पताल में मेडिकल अफसर होंगे। डॉ. संतराम चुरेंद्र प्रभारी सीएमओ बेमेतरा को जिला अस्पताल में पैथोलॉजी विशेषज्ञ के रूप में पदस्थ किया गया है।

-फाईल फोटो-

-फाईल फोटो-

क्या सूरजपुर जिला हुआ दामादों के लिए आरक्षित

सूरजपुर जिले में तो यह प्रतीत होने लगा है की यहां के सीएमएचओ का पद नेताओं पूर्व विधायकों के दामादों के लिए आरक्षित हो गया है। पहले यहां कांग्रेस शासनकाल में कांग्रेस के पूर्व विधायक के दामाद को सीएमएचओ बनाया गया था वहीं भाजपा की सरकार आते ही यहां भाजपा के पूर्व विधायक के दामाद को सीएमएचओ बना दिया गया। देखा जाए तो प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग अब केवल सेटिंग वाला विभाग और कमाई के जरिए वाला विभाग हो गया है और जिसे मौका मिल रहा है वह लोगों के स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर इस विभाग में लूट ही मचाना चाहता है जो अभी भी जारी है। न योग्यता की जरूरत न ही वरिष्ठता का कोई पैमाना फर्जी डिग्री और फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र ही जैसे स्वास्थ्य विभाग की पहचान हो गई है यह कहना गलत नहीं होगा। वैसे वर्तमान में मरीजों के इलाज की बजाए जेब भरने और अपनों को उपकृत करने का ही खेल विभाग में जारी नजर आ रहा है। मरीज आज और बुरी स्थिति में हैं।

पैसा प्रभार पॉवर की नीति हुई हावी?

स्वास्थ्य विभाग में पैसा,प्रभाव,पॉवर की नीति हावी हो गई है। पैसा ही विभाग की अब पहचान हो गया है। वैसे जो पैसा देकर पद पाएगा वह कमाएगा ही और क्यों निशुल्क सेवा देगा यह समझा जा सकता है। आज स्थिति यह है की कई डॉक्टर पैसा लेते देते पकड़े जा चुके हैं उन पर कार्यवाही भी हो चुकी है वहीं अब प्रशासनिक पदों पर भी लेनदेन से नियुक्ति दी जा रही है जो सूचना है और ऐसे में भ्रष्टाचार कम होने की बजाए बढ़ेगा यह कहना गलत नहीं होगा।

डॉ. रामेश्वर शर्मा की वापसी ने उठाया बड़ा सवाल

डॉक्टर रामेश्वर शर्मा का बलरामपुर जिले से सीधे सीएमएचओ जीपिएम बन जाना कई सवाल खड़े करता है। पूर्व की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिसपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हों उसे भाजपा की सरकार में उपकृत करना वह भी स्वास्थ्य मंत्री के प्रभार जिले में जिम्मा देना यह ऐसे ही हजम होने वाला मामला नहीं है। डॉक्टर साहब ने इसकी भारी कीमत चुकाई है आगे भी उनका जमकर भ्रष्टाचार का वादा है यह सूत्रों का कहना है जिस आधार पर उन्हें पद दिया गया है।वैसे डॉक्टर साहब का कोरोना आपदा काल कोरिया के लोग नहीं भूल सके हैं कैसे आपदा को अवसर उन्होंने बनाया था यह लोगों को याद है वहीं उनके व्यवहार से भी लोग वाकिफ हैं जो स्वास्थ्य विभाग के लिए आखिरी कील वाला मामला होगा।

छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
:: मंत्रालय ::
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर–492002
//आदेश//

1/3

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 2 ...

क्रमांक एफ 1–66/2024/सत्रह/एक :::: राज्य शासन, एतद्द्वारा, निम्नांकित चिकित्सको को प्रशासकीय आधार पर स्थानांतरित करते हुए, उन्हें उनके नाम के सम्मुख कॉलम (4) में दर्शित स्थान पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ करता है :–

क.	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	वर्तमान पदस्थापना स्थल	नवीन पदस्थापना
(1)	(2)	(3)	(4)
1	डॉ. एफ.आर. निराला, चिकित्सा अधिकारी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–सारंगढ़, जिला सारंगढ़– बिलाईगढ़	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सारंगढ़– बिलाईगढ़
2	डॉ. राजेश अवस्थी, चिकित्सा अधिकारी	जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा
3	डॉ. विजय कुमार खोब्रागढ़े, खण्ड चिकित्सा अधिकारी	सामु.स्वा.केन्द्र. घुमका, जिला राजनांदगांव	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी
4	डॉ. यशवंत कुमार धुव, प्र. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक	जिला चिकित्सालय बीजापुर	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बेमेतरा
5	डॉ. अजय रामटेके, चिकित्सा अधिकारी	जिला चिकित्सालय बीजापुर	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला दन्तेवाड़ा
6	डॉ. रामेश्वर शर्मा, प्र. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक	जिला चिकित्सालय बलरामपुर	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही
7	डॉ. कपिल देव पैकरा, चिकित्सा अधिकारी	जिला चिकित्सालय सूरजपुर	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सूरजपुर
8	डॉ. संजय बसाक, प्र. प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला दंतेवाड़ा	प्र. प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला दन्तेवाड़ा	प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बस्तर
9	डॉ. श्रीमती रत्ना ठाकुर, चिकित्सा अधिकारी	जिला चिकित्सालय बीजापुर	प्र. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बीजापुर
10	डॉ. आयुष जायसवाल, चिकित्सा अधिकारी	जिला चिकित्सालय सरगुजा	प्र. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

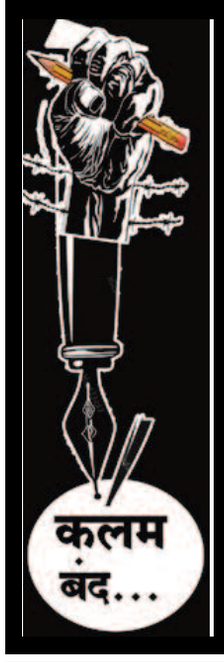

कलम बंद...का पैंतीसवां दिन

?

कलम बंद...का पैंतीसवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

दैनिक घटती-घटना कार्यालय एवं संपादक के प्रतिष्ठान पर हुई बुलडोजर कार्यवाही को लेकर विरोध हुआ तेज

- » छत्तीसगढ़ बीजेपी सरकार की हो रही चौतरफा निंदा...
- » पत्रकारों सहित समाज सेवकों ने...कार्यवाही के विरोध में...अनैतिक कार्यवाही स्थल पर किया भारी बारिश में काला छाता लेकर विरोध प्रदर्शन...
- » बारिश में भीगते पहुंचे कलेक्टर कार्यालय...सौंपा ज्ञापन...कार्यवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध हो कार्यवाही... और पुनः कार्यालय व प्रतिष्ठान को विस्थापित करने की हुई मांग...
- » आमसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश के राजधानी से आए वरिष्ठ पत्रकार सहित समाज सेवकों ने संबोधित करते हुए इस कार्यवाही का किया विरोध...
- » कमल शुक्ला,सुधीर तंबोली,अरविंद सिंह,ए एन पांडे सहित कई लोगों ने मंच से सरकार को सुनाई खरी खोटी...
- » सत्याग्रहः पत्रकार अविनाश सिंह के प्रतिष्ठान पर बुलडोजर की कार्यवाही का घोर विरोध...

-भूपेन्द्र सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,03 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना अखबार के संचालक अविनाश सिंह के प्रतिष्ठान पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही के विरोध में प्रदेश के सैकड़ों पत्रकारों ने सत्याग्रह किया। यह कार्यवाही लगभग 34 साल पुराने शासकीय कब्जे के मामले को लेकर की गई है, जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इस विवाद का संबंध डॉक्टर प्रिंस जायसवाल से भी है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर प्रशासन में नौकरी कर रहे हैं। दैनिक घटती-घटना अखबार में उनके खिलाफ समाचार प्रकाशित किए जा रहे थे,जिसके चलते प्रिंस जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को अपने चाचा के रूप में प्रस्तुत कर लेखक को दबाने की कोशिश की अखबार के विज्ञापन को जनसंपर्क कार्यालय द्वारा मौखिक रूप से रोक दिया गया था,जिससे दैनिक घटती-घटना अखबार ने कलम बंद अभियान चला रखा था इस दौरान, संचालक के पिता के निधन के चलते परिवार शोकाकुल था, फिर भी उनके व्यापारिक प्रतिष्ठान पर बुलडोजर चलाया गया, जिससे पत्रकार की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया इसके विरोध में, प्रदेश के सैकड़ों पत्रकारों ने 2 अगस्त 2024 को सुबह 11:00 से 4:00 बजे तक अंबिकापुर नमनाकला, छत्तीसगढ़ में शांतिपूर्ण सत्याग्रह कर विरोध प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने इस घटना की निंदा की और छत्तीसगढ़ सरकार से अपील की कि पत्रकारों को दबाने का काम ना करें उनका कहना है कि यदि शासन से कोई असहमति है,तो सीधे संवाद करें। पत्रकारों ने स्वास्थ्य मंत्री से भी अनुरोध किया कि फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी करने वाले अधिकारी पर निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करें। कुछ पत्रकारों का कहना है कि मंत्री और विधायकों के करीब रहने वाले चाहे पत्रकार ही क्यों ना हो,वे मंत्री और विधायकों को फिजूल सलाह देकर भ्रमित कर देते हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा समाज में धूमिल होती है। ऐसे लोगों से ही मंत्रियों को दूरी बनाकर रखना चाहिए। कुल मिलाकर पत्रकारों ने कार्यवाही को समाचार से सत्य समाचार से क्षुब्ध होकर की गई शासन और प्रशासन की कार्यवाही निरूपित किया।

सरकार ने मैसेज दिया है कि हमारे विरुद्ध खबर लिखोगे तो जमींदोज कर दिए जाओगेः कमल शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार कमल शुक्ला ने मंच को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने एक मैसेज दिया है हमारे विरुद्ध खबर लिखोगे तो जमींदोज कर दिए जाओगे, बिना न्याय की परवाह किए बिना, लोकतंत्र की परवाह किए बिना कुचला जा सकता है । जो पत्रकार यह समझ रहे हैं कि जो पत्रकार गलती किया है वह भुगते तो मैं आपको बता दूं कि यह आपकी भूल है सरकार कभी भी उनके विरुद्ध जाने वालों को किसी भी प्रकरण में फंसा सकती है...कुछ भी कर सकती है...उनके पास कमियां नहीं होगी...तो भी कमियां निकाल सकती है। सत्ता को कोई समय नहीं लगता तभी दूसरे लोग आपके बारे में यही बोलेंगे। पत्रकार हमेशा सरकार को सचेत करने का काम करता है उनकी कमियां बताने का काम करता है, उन्हें यह बताने का प्रयास करता है कि आप पांच साल के लिए आए हो, यदि आप नहीं ठीक से काम करोगे तो पांच साल बाद आप बदल दिए जाओगे। पत्रकार सरकार का भला करने का काम करते है उन्हें सचेत करने का काम करते है की आप जो काम कर रहे हैं, वह गलत है जनता आपको बदल सकती है पर वह भी आप बर्दाश्त नहीं कर पाते और आप पत्रकार को ही जमीदोज करने चले जाते हैं जिसका नतीजा है कि हर बार सरकार अपने घमंड में चली जाती है।

निशाना वही बना है...जिसने मुखर होकर विरोध किया है...

सुधीर तम्बोली वरिष्ठ पत्रकार रायपुर कहा कि इससे पूर्व में भी एक पत्रकार के यहां बुलडोजर की कार्यवाही हुई थी और जहां पर हम खड़े हैं वह इकलौती भूमि नहीं है इकलौता कब्जा नहीं था जिसे शासन ने गिराया और बुलडोजर कार्यवाही की है यहां पर और भी लोग हैं पर निशाना वही बना है जिसने मुखर होकर विरोध किया है शासन को कमियां दिखाई है, जहां पर कार्यवाही हुई है वहां पर कार्यवाही द्वेषपूर्ण कार्यवाही ही कही जाएगी, क्योंकि जिस प्रकार से खबरें प्रकाशित हो रही थी शासन-प्रशासन की कमियां दिखाई जा रही थी उसे बर्दाश्त नहीं कर पाई सरकार। इस कार्यवाही ने यह बता दिया कि सरकार की क्षमता ही नहीं है अपनी कमियों को बर्दाश्त करने की...।

दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र हमेशा से सच दिखाने का काम किया...

अरविंद सिंह नेता गोंडवाना ने कहा दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र हमेशा से सच दिखाने का काम करता रहा है। सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की रही हो सभी के कार्यकाल में यह समाचार-पत्र मुखर होकर सरकार और विधायकों की कमियां उजागर करता रहा है। हाल ही में घटती-घटना कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान के विरुद्ध सरकार और जिला प्रशासन ने कार्यवाही की है वह भी उसे जमींदोज करने की कार्यवाही की गई है जो प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को समाचार के माध्यम से आइना दिखाने के कारण की गई कार्यवाही है जो उनकी कमियां थीं जिन्हे समाचार बनाया गया जिससे वह क्षुब्ध होकर ऐसी कार्यवाही करवाते हैं। डबल इंजन की सरकार की बात करते हुए इन्होंने कहा कि आपकी सरकार डबल इंजन की गरीबों का उद्धार करने नहीं आई है...वह पत्रकारों पर अत्याचार के लिए आई है...जो चलने वाला नहीं ...यही पत्रकार आपको एक दिन अपनी कलम की ताकत से कुर्सी से उतार देंगे तब आपको पता चलेगा कि आपने गलती की है।

अत्याचारी है सरकार... एक पत्रकार पर चलाएं बुलडोजर...उसके कलम पर बुलडोजर चला दे...यह बहुत दुर्भाग्यजनक है....

ए. एन. पांडे समाजसेवी अंबिकापुर ने कहा अत्याचारी है सरकार...एक पत्रकार पर बुलडोजर चलाएं...उसके कलम पर बुलडोजर चला दे...यह बहुत दुर्भाग्यजनक है जो लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है...सरकार के लिए भी खतरा है। आज सरकार को भले समझ में नहीं आ रहा हो,सत्ता जब

आती है सत्ता का मद ऐसा होता है... जैसे रावण अहंकार में डूबा था...वैसे सत्ता के लोग अहंकार में डूब जाते हैं... । जहां पर कार्यवाही की गई है जो दैनिक घटती-घटना के कार्यालय है यह वही कार्यालय है जहां से क्षेत्र में घटने वाली घटना का खबर प्रकाशित किया जाता था आज इस अखबार के साथ सरकार ने घटना घटा दी है। सरकार ने यह बता दिया कि दैनिक घटती-घटना तुम मेरी कमी बताओगे तो मैं तुम्हें बर्बाद कर दूंगा सरकार 6 महीने में ही बेनकाब हो गई है जनता इसका परिणाम सरकार को देगी।

पत्रकारों पर इस प्रकार का हमला गलत है... पत्रकार वह दर्पण है...

सूजन बिंद समाजसेवी अंबिकापुर संबोधित करते हुए कहा कि रामायण में ऐसा उल्लेख आया है कि श्री रामचंद्र जी जब राजा थे तब पता करने के लिए निकलते थे कि हमारे राज्य में क्या हो

रहा है जनता उनसे बताती है कि नहीं बताती है इसके लिए वह भेष बदलकर निकला करते थे, इसी दौरान जब वह निकले थे तभी कोई व्यक्ति अपनी पत्नी से यह कह रहा था कि मैं रामचंद्र जी नहीं हूं जो अपनी औरत को लाकर रख लिया इतनी बात को सुनकर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने अपनी अर्धांगिनी का त्याग कर दिया था,वहीं विष्णु के रूप में रामचंद्र की तरह शासन करने वाले विष्णु देवता है अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं कर पा रहे पत्रकारों पर इस प्रकार हमला गलत है। पत्रकार वह दर्पण है जो आप के राज्य में क्या चल रहा है इसकी जानकारी देता है पत्रकार का एक कर्तव्य है उसे मनाना चाहिए ना कि उसे रोकना चाहिए। पत्रकारों को संबोधित प्रताड़ित न किया जाए जो पत्रकार बताते हैं उन कमियों को सुधारने का प्रयास किया जाए जो मेरे पत्रकार साथी पर कार्यवाही की गई है मै उसका विरोध करता हूं शासन प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि जितनी भी क्षति हुई है उसकी भरपाई की जाए।

जो कार्यवाही की गई है वह निंदनीय है...

चंद्रकांत पारगीर पत्रकार बैकुंठपुर ने कहा जो कार्यवाही की गई है वह निंदनीय है और मैं इसका विरोध करता हूं पत्रकारों की खबरों पर संज्ञान लेना चाहिए और उसकी जांच करनी चाहिए मैं अपने पत्रकार साथियों का समर्थन करने आया हूं और मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रशासन किसी भी चीजों की जांच करें, हमला जो है वह लोकतंत्र के लिए घातक है।

कलम बंद...

कलम बंद...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,03 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

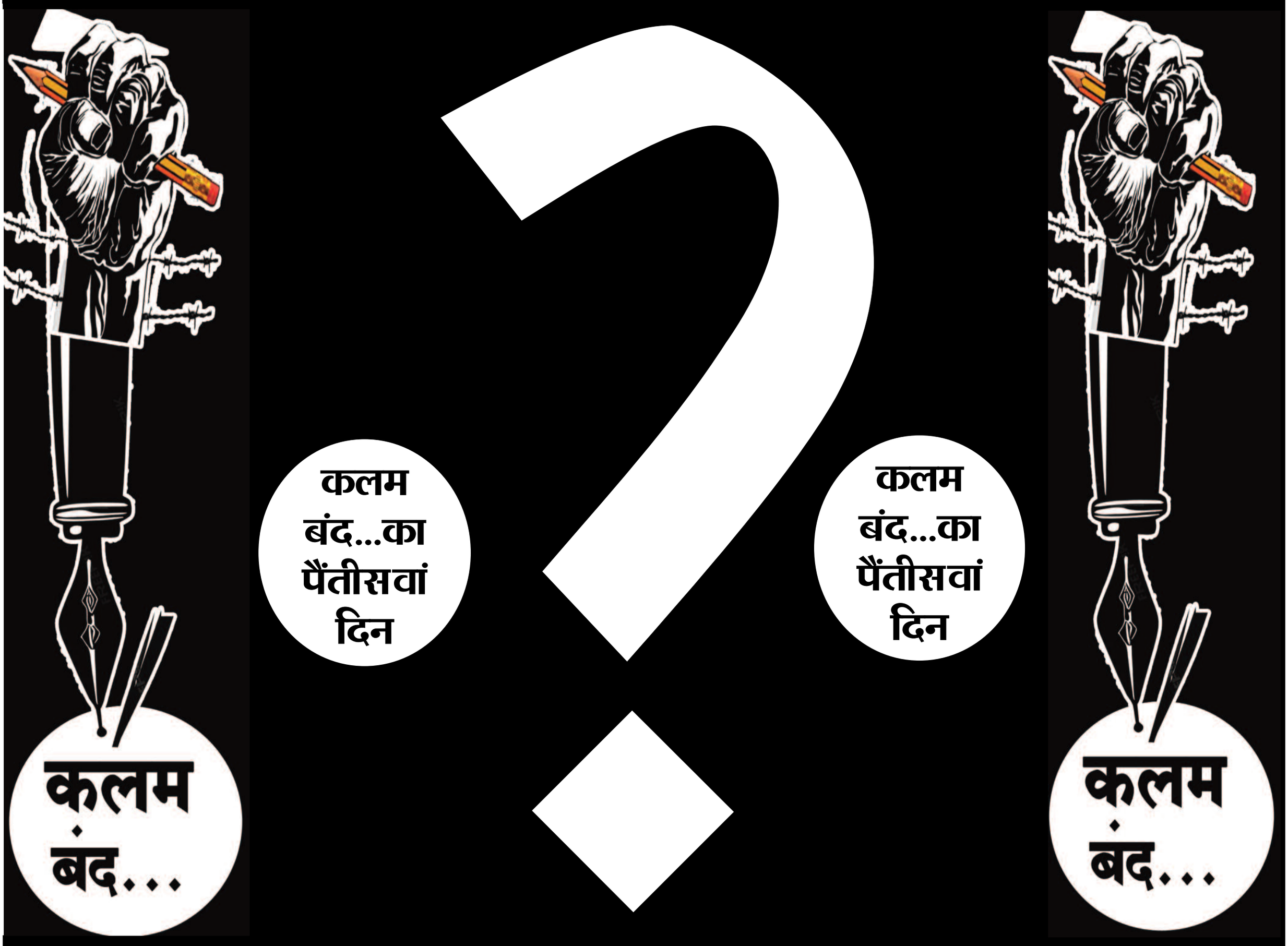

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,03 अगस्त 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

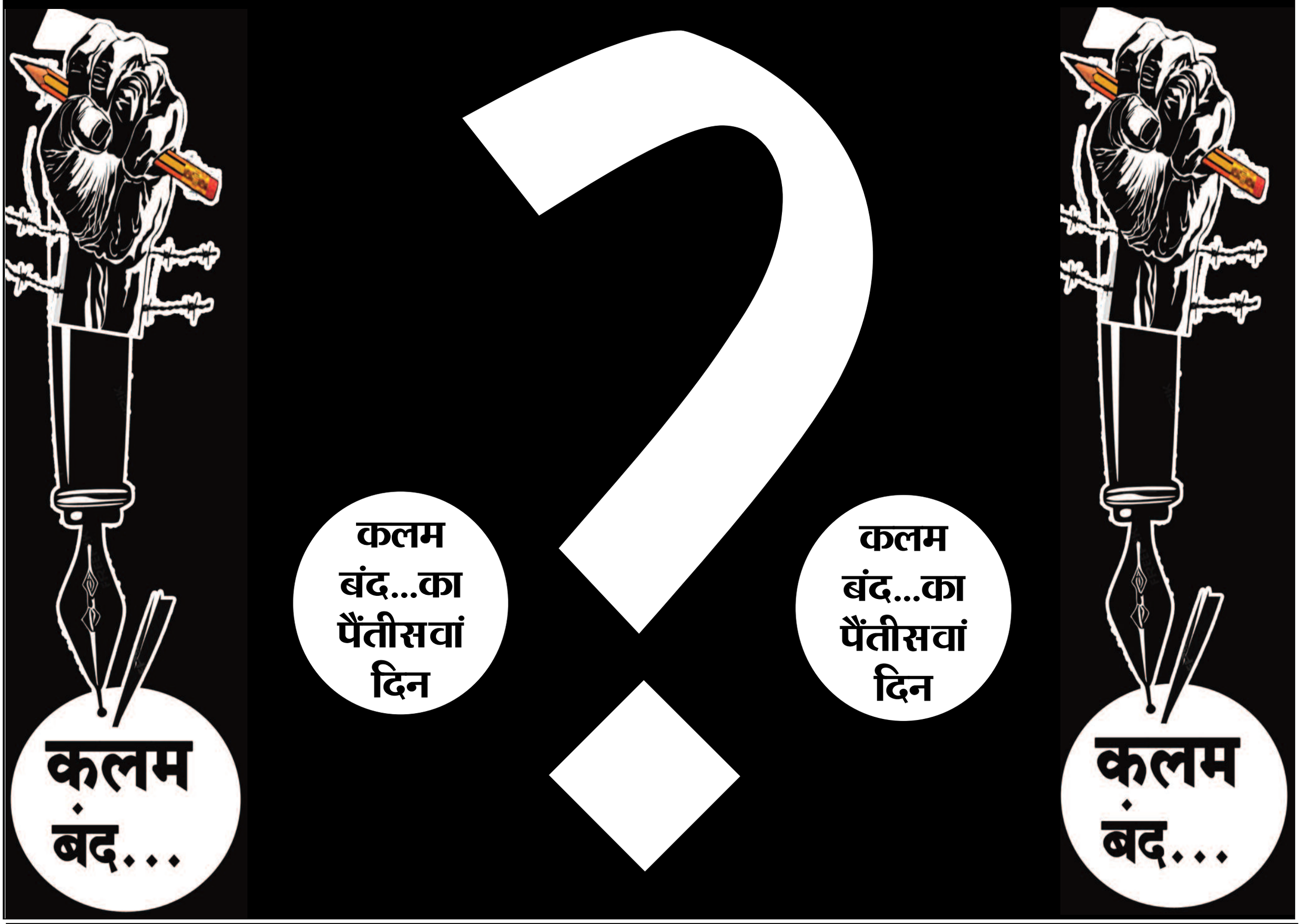

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 03 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

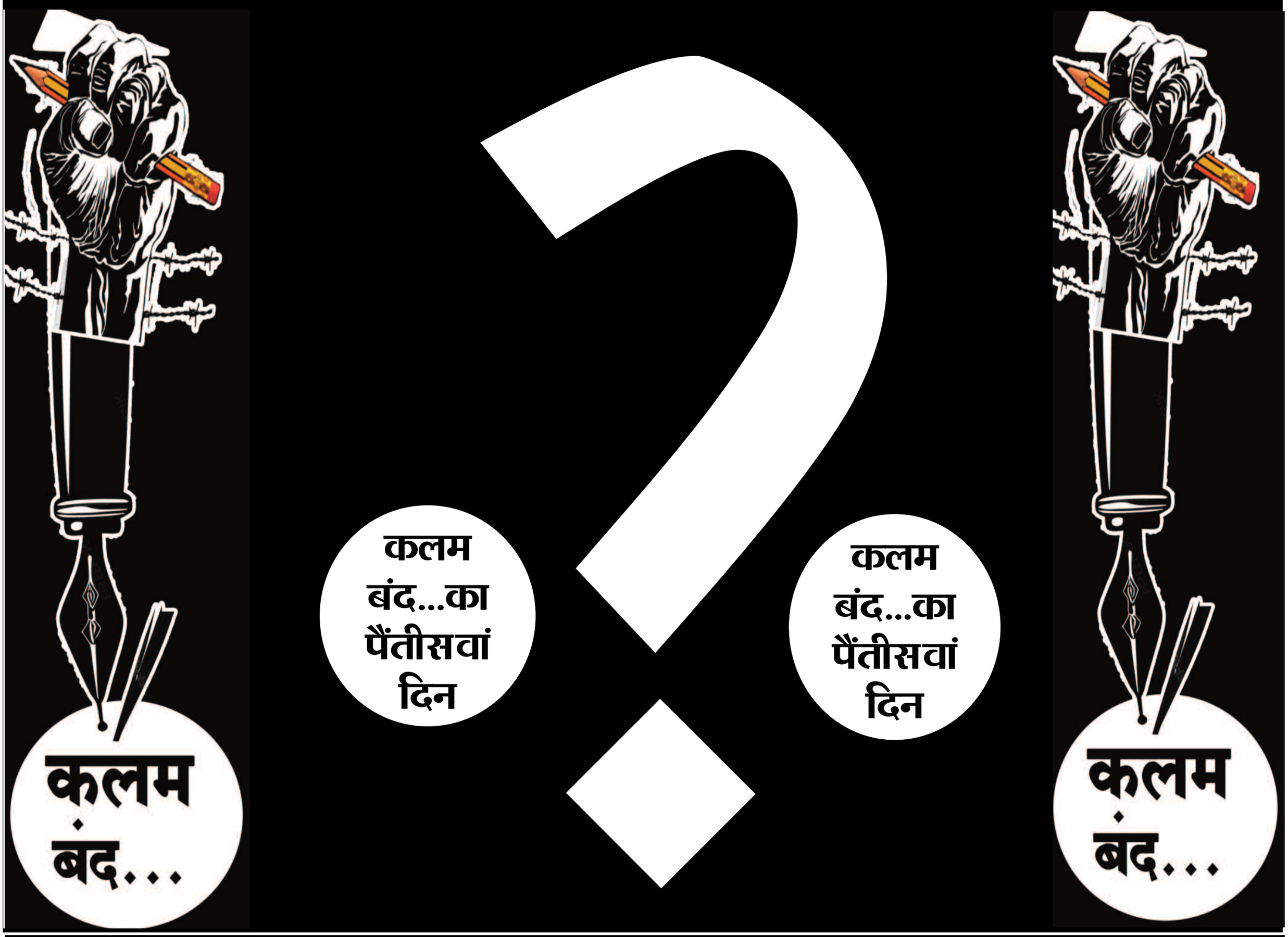

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

फाइनल में एंट्री के लिए लक्ष्य मैदान में

पेरिस,03अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने अब तक जहां शूटिंग के इवेंट में सभी पदक जीते हैं तो वहीं बैडमिंटन में भी मेडल जीतने की आस बंध रही है। पुरुष सिंगल्स में हिस्सा ले रहे भारत के 22 के साल के खिलाड़ी लक्ष्य सेन का अभी तक ग्रूप स्टेज से लेकर क्वार्टर फाइनल तक का सफर काफी बेहतरीन देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने इस इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है। हालांकि ये मुकाबला लक्ष्य के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला है जिसमें उनका सामना टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले डेनमार्क के खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन से होगा।

लक्ष्य आज खेलेंगे अपना सेमीफाइनल मुकाबला

लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक 2024 में मेंस बैडमिंटन के सिंगल्स में अपना सेमीफाइनल मुकाबला 4 अगस्त को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे खेलेंगे। उनका ये मुकाबला बैडमिंटन की दुनिया में दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार किए जाने वाले विक्टर एक्सेलसन से होगा ।

रोहित शर्मा ने अर्धशतक लगाकर रचा इतिहास

कोलंबो,03अगस्त 2024। रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में अर्धशतकीय पारी खेली. करीब एक महीने बाद मैदान पर वापसी करने वाले रोहित शर्मा अच्छी लय में दिखाई दिए। भारतीय कप्तान ने 47 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली। इस अर्धशतकीय पारी के साथ रोहित शर्मा ने पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली।

क्वार्टर फाइनल में भारत और ब्रिटेन भिड़ेंगे आज

पेरिस,03अगस्त 2024। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम का अब तक पेरिस ओलंपिक 2024 में ग्रूप स्टेज में काफी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 5 में से एक मुकाबले में हार का सामना किया और क्वार्टर फाइनल के लिए धमाकेदार अंदाज में एंट्री की है। भारतीय हॉकी टीम का अब क्वार्टर फाइनल में मुकाबला ग्रेट ब्रिटेन की टीम से होगा। भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में ग्रूप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम 2 मजबूत टीम का सामना करने का मौका मिला, जिसमें उन्हें बेल्जियम के खिलाफ जहां 2-1 से हार मिली तो वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने ऐतिहासिक 3-2 के अंतर से जीत दर्ज की।

ग्रेट ब्रिटेन को पिछली बार ओलंपिक में दी थी मात

भारतीय हॉकी टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना ग्रेट ब्रिटेन की टीम से 4 अगस्त को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 पर होगा। टोक्यो ओलंपिक में भी दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया था और उसमें भारतीय हॉकी टीम ने 3-1 के अंतर से मात दी थी। इस बार भी भारतीय टीम के फॉर्म को देखते हुए उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है। ग्रेट ब्रिटेन टीम का पेरिस ओलंपिक में पूल मैचों में प्रदर्शन को लेकर बात की जाए तो उसमें उन्होंने 5 मैचों में से 2 में जीत दर्ज की तो दो मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए तो वहीं एक मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम ने पिछले 3 मैचों में से नहीं गंवाया एक भी मुकाबला

भारत का ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड) के खिलाफ हॉकी में पिछले तीन मैचों में रिकॉर्ड देखा जाए तो उन्हें एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। भारतीय टीम ने जहां एक मुकाबले में जीत हासिल की है तो वहीं 2 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। भारत की तरफ से अभी तक पेरिस ओलंपिक में सबसे ज्यादा गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए हैं जिन्होंने कुल 6 बार गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाया है।

भारतीय टीम ने टाई मैच खेलने में ऑस्ट्रेलिया को भी पीछे छोड़ा

कोलंबो,03अगस्त 2024। भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के अंत के बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था कि लगभग 98 ओवर्स का खेल होने के बाद मैच बराबरी पर जाकर खत्म हो जाएगा। इस मैच में श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और एक समय उन्होंने 101 के स्कोर तक अपनी आधी टीम को गंवा दिया था। हालांकि मेजबान टीम 50 ओवर्स बल्लेबाजी करने में कामयाब रही और 230 रनों का स्कोर बनाया। इसके बाद टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की पारी 47.5 ओवर्स में 230 के स्कोर पर सिमट गई। इस मुकाबले के टाई पर खत्म होने के साथ भारतीय टीम ने एक खास रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अब पीछे भी छोड़ दिया है।वनडे फॉर्मेट में अब तक काफी कम ही ऐसे मुकाबले देखने को मिले हैं जो बराबरी पर जाकर खत्म हुए हैं। वहीं भारतीय टीम ने अब तक 1056 वनडे मैच खेले हैं जिसमें से उन्होंने 559 मुकाबलों में जहां जीत हासिल की है तो वहीं 443 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा सिर्फ 10 मैच टाई हुए हैं। वनडे में अब भारत टाई मुकाबले खेलने के मामले में वेस्टइंडीज के बाद लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गई है। वहीं इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम 9 टाई मैचों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गई है।

वनडे में सबसे ज्यादा टाई मैच खेलने वाली टीमें

वेस्टइंडीज - 11
भारत - 10
ऑस्ट्रेलिया - 9
इंग्लैंड - 9
पाकिस्तान - 9
जिम्बाब्वे - 8

दोनों टीमों के बीच आज खेला जाएगा सीरीज का दूसरा वनडे मैच

भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ अब 3 मैचों की इस वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के टाई पर खत्म होने के बाद दूसरा मैच 4 अगस्त को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेलना है। टीम इंडिया के लिए अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ये सीरीज तैयारियों के नजरिए से काफी अहम है। पहले मैच में श्रीलंकाई गेंदबाजों का दबदबा साफतौर पर देखने को मिला था, जिसमें भारतीय टीम के खिलाड़ी संघर्ष करते हुए दिखाई दिए थे, ऐसे में दूसरे वनडे में उन्हें बेहतर रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा।

टीम इंडिया में वापसी के लिए शमी ने अपनाई धोनी वाली ट्रिक

नई दिल्ली,03अगस्त 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के घातक तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इन दिनों ब्रेक पर हैं। शमी वनडे विश्व कप 2023 से ही टीम इंडिया से बाहर हैं। वे चोटिल हो गए थे और इसके बाद सर्जरी करवाई थी। लेकिन अब शमी फिट हो चुके हैं और टीम इंडिया में वापसी के लिए तैयार हैं। शमी टीम इंडिया में शामिल होने के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट का रास्ता अपनाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक वे जल्द ही घरेलू क्रिकेट में खेलना शुरू होगा। शमी की तरह पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी टीम इंडिया में होने के बावजूद खुद पर काम करने के लिए घरेलू मैचों में खेला करते थे। शमी ने टीम इंडिया में वापसी को लेकर प्रतिक्रिया दी है। इंडिया टुडे की एक खबर के मुताबिक शमी ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि मैं कब टीम इंडिया में वापसी करूंगा। मैं इसको लेकर बहुत मेहनत कर रहा हूं लेकिन उम्मीद है कि आप मुझे टीम इंडिया से पहले बंगाल के लिए खेलते हुए देखेंगे। मैं बंगाल के लिए दो-तीन मैच खेलने के लिए आऊंगा। मैं इसके लिए पूरी तैयारी के साथ आऊंगा।

आईपीएल 2025 के लिए हार्दिक पांड्या को रिलीज करेगी मुंबई इंडियंस ?

» रोहित-सूर्यकुमार समेत इन 4 खिलाड़ियों को करेगी रिटेन...

नई दिल्ली,03अगस्त 2024। कुछ दिन पहले बीसीसीआई के वानखेड़े ऑफिस में आईपीएल के अधिकारियों और टीम मालिकों के बीच मीटिंग हुई. कुछ टीमों के मालिक इस मीटिंग के लिए बीसीसीआई ऑफिस में उपस्थित हुए तो कुछ ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया। मीटिंग से कई हैरान करने वाली खबरें भी सामने आई। हालांकि, इस बीच एक और बड़ी खबर आई है। यह खबर मुंबई इंडियंस के खेमे से जुड़ी है। रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई इंडियंस अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को रिलीज करने वाली है। दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या को दोबारा अपनी टीम से जोड़ा था. साथ ही फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा से कप्तानी लेकर इस स्टार ऑलराउंडर को दे दी थी। फिर भी टीम कुछ कमाल नहीं कर सकी और प्लेऑफ तक में जगह नहीं बना सकी। अब खबर है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक पांड्या को रिलीज कर देगी।

नियमों में नहीं हुए बदलाव तो चार खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी टीमें

आईपीएल के नियमों के हिसाब से हर तीन साल में मेगा ऑक्शन का आयोजन होता है। इस बार दिसंबर में फिर मेगा ऑक्शन होगी। ऐसे में सभी 10 टीमों को सिर्फ चार-चार खिलाड़ी ही रिटेन करने की अनुमति होगी। हालांकि, एक रिपोर्ट यह भी है कि इस बार रिटेन करने वाले खिलाड़ियों की सख्या में इज़ाफा हो सकता है। अभी तक बीसीसीआई या आईपीएल ने इसे लेकर कुछ नहीं कहा है। पर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अब पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकेगा।

इन 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है मुंबई इंडियंस

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई इंडियंस किसी भी सूरत में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को अपने साथ रखना चाहती है। ऐसे में फ्रेंचाइजी हार्दिक पांड्या को रिलीज करेगी,क्योंकि सूर्यकुमार अब टी20 फॉर्मेट में देश के कप्तान हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम की कमान सौंप सकती है। रोहित भी सूर्या की कप्तानी में खेलने में सहज होंगे।रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 के लिए सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा को रिटेन कर सकती है। इसमें कोई शक नहीं है कि फ्रेंचाइजी अब नए सिरे से टीम तैयार करना चाहती है। ऐसे में आगामी सीजन में हमें टीम में कई नए खिलाड़ी देखने को मिल सकते हैं।

ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों के कैसे-कैसे टेस्ट

नई दिल्ली,03अगस्त 2024। 1928 के ओलंपिक की बात है, जब पहली बार महिलाओं को रनिंग ट्रैक पर दौड़ने की इजाजत दी गई। उससे पहले ओलंपिक इतिहास में ट्रैक पर महिलाएं नहीं दौड़ सकती थीं। उन्हें बस हल्के-फुल्के खेल यानी तैराकी, टेनिस जैसे खेलों की ही इजाजत थी। आमतौर पर यह अजीबोगरीब धारणा थी कि महिलाएं कठोर खेलों के लिए नहीं बनी हैं। तब यह माना जाता था कि अगर महिलाएं एथलेटिक्स में ज्यादा हिस्सा लेंगी तो वह मर्दों जैसा बन जाएंगी। मर्दों की इसी सोच ने महिलाओं को अरसे तक कई गेम्स से बाहर रखा। आज वह रनिंग, जेवलिन, हैमर थ्रो, वेट लिफ्टिंग, रेसलिंग या बॉक्सिंग में चैंपियन बन रही हैं तो यह उनकी क्षमता को ही बताता है। यह बताता है कि महिलाएं शारीरिक रूप से भी पुरुषों से कहीं कमतर नहीं हैं। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भी जेंडर विवाद सुर्खियों में है। हालांकि, पेरिस ओलंपिक का प्रचार प्रसार जेंडर न्यूट्रल बताते हुए किया गया था, मगर अब इसी पर सवालिया निशान लग गए हैं। एक रिसर्च के अनुसार, 1966 में यह तय हुआ कि महिला खिलाड़ियों की न्यूड परेड कराई जाए। यह इतना भद्दा था कि इसे उस वक्त %पीक एंड पोक टेस्ट भी कहा गया। इसमें ट्रैक पर दौड़ने से पहले महिला एथलीट को एक बंद कमरे में जाना पड़ता था और कुछ लोगों के पैनल के सामने कपड़े उतारने पड़ते थे, जो यह तय करते थे कि उस खिलाड़ी की बॉडी महिला जैसी ही है।

ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक की खबरों के बीच टूटा नव्या नवेली का दिल

सिद्धांत चतुर्वेदी संग हुआ भांजी का ब्रेकअप!

एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी का नाम लंबे समय से अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली से जोड़ा जा रहा था। इनके डेटिंग की खबरें चल रही थीं। कई बार इन दोनों को तमाम जगहों पर साथ में स्पॉट भी किया गया था। और ये अफेयर की खबरें तब फैलीं, जब ये दोनों छुट्टियां मनाने के लिए ऋषिकेश गए थे और वहां से फोटोज शेयर की थीं। एक बार इन्हें दिवाली पार्टी में साथ कार में देखा भी गया था। मगर अब खबर है कि ये अलग हो गए हैं। इनका ब्रेकअप हो गया है। नव्या नवेली नंदा और सिद्धांत चतुर्वेदी कभी पार्टी में तो कभी घर पर देखे जाते थे। एक बार वह श्वेता नंदा के बर्थडे पार्टी में भी शामिल होने पहुंचे थे। एक बार इन्हें गोवा एयरपोर्ट पर भी देखा गया था। हालांकि कभी दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं की। मगर अब लेटेस्ट रिपोर्ट में इनके ब्रेकअप की खबर जरूर आ रही है। बॉलीवुड हंगामा% की रिपोर्ट के मुताबिक, नव्या और सिद्धांत आधिकारिक तौर पर अलग हो गए हैं। लेकिन इनका रिश्ता अच्छा था। इसलिए ब्रेकअप के बाद भी ये दोस्त हैं। फैंस ने सोशल मीडिया पर इनकी दूरी को भी नोटिस किया ह। क्योंकि दोनों इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के पोस्ट्स को लाइक करते थे। रेड हार्ट ड्रॉप करते थे। मगर अब ऐसा नहीं है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-6 अ/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलराखन आ0 स्व0 करीमन, निवासी ग्राम डिगमा,तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा आवेदन अंतर्गत धारा 237(2) छ0ग भू-राजस्व संहिता के तहत ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा नंबर 341 रकबा 0.77 हे0 भूमि को आवेदक के नाम पर बंदोबस्त करने हेतु श्रीमान् कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जांच हेतु इस न्यायालय को निर्देशित किया गया है। उपरोक्त निर्देश के परिपालन राजस्व निरीक्षक/हल्का पटवारी से जांच प्रतिवेदन लिया गया। राजस्व निरीक्षक/हल्का पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा नंबर 341 रकबा 0.770 हे0 शासकीय मद में दर्ज है,जो खाल चमड़ा निकालने के स्थान के नाम पर सुरक्षित किया गया है। आवेदित भूमि का पुराना खसरा नंबर 284/2 है, जिसका नवीन बंदोबस्त के अनुसार खसरा नंबर 341 निर्मित हुआ है। मौके पर खसरा नंबर 341 रकबा 0.770 हे0 के अंश भाग रकबा 0.570 हे0 पर आवेदक का कच्चा मकान निर्माणाधीन पक्का मकान,बाड़ी,डबरी एवं ट्यूबवेल लगाकर काबिज काश्त है। ग्रामवासियों के बताए अनुसार आवेदक के दादा एवं पिता के समय से ही कब्जा काश्त किया जा रहा है तथा उक्त भूमि पर मौके पर कभी भी मवेशी खाल,चमड़ा निकालने का कार्य नहीं हुआ है और न ही वर्तमान में हो रहा है। आवेदक के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में खसरा नंबर 337/1 रकबा 0.160 हे0 भूमि स्वामी हक में दर्ज है जो कृषि भूमि खेत है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/08/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिषाक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-27/2023-24

ग्राम-परीं

सर्व साधारण ग्राम परीं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र कुशवाहा आ0रामा राम कुशवाहा जाति कोईरी निवासी ग्राम परीं तहसील व जिला-सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा ग्राम परीं प0ह0नं0 06 तहसील सूरजपुर स्थित संयुक्त खाते की भूमि खसरा नं0 1221/1, 1221/3 रकबा क्रमशः 0.05, 0.05 हे0 भूमि का सहखातेदार अनावेदक सुरेन्द्र आ0 रामाराम जाति कोईरी के मध्यम 1/2 भागों में बराबर-बराबर खाता विभाजन कराने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत आवेदन पत्र के साथ खसरा, बी-1 एवं नक्शा की नकल सहित प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार तथा किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 05/08/2024 समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

सील

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)